वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 319 | रविवार 17 मार्च 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

नामाकंन 28 मार्च से मतदान 26 अप्रैल को, वोटर 19 लाख 86 हजार...

लोकसभा चुनाव में नहीं की प्रत्याशी की घोषणा, नुकसान कांग्रेस को

जयपुर. शाबाश इंडिया

चुनाव आयोग ने देश में पांच चरणों के अंतर्गत होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए तारीखों का एलान शनिवार को कर दिया। इसी बीच अजमेर संसदीय सीट के लिए मतदान के लिए 26 अप्रैल की तारीख तय की गई है जबकि नामांकन चार अप्रैल तक दाखिल किए जा सकेंगे। जबकि दूसरी ओर कांग्रेस व भाजपा लोकसभा प्रत्याशियों की दो दो सूची जारी कर चुकी है लेकिन अजमेर की सीट से किसी भी दल ने अब तक प्रत्याशी के नाम का एलान नहीं किया है। जिला निर्वाचन अधिकारी डा. भारती दीक्षित के अनुसार निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव की तारीखों की घोषणा किए जाने के बाद से अजमेर जिले में भी चुनाव आचार संहिता लागू हो गई। उन्होंने बताया कि तय चुनाव प्रकिया 28 मार्च को अधिसूचना जारी होने के साथ शुरू हो जाएगी और नामांकन पत्र दाखिल किए जा सकेंगे और चार अप्रैल नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तारीख है। नामांकन पत्रों की जांच का काम 5 अप्रैल को किया जाएगा जबकि आठ अप्रैल तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। इसके बाद 26 अप्रैल 2024 को मतदान होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिले में अब तक 19 लाख 86 हजार 966 मतदाताओं का पंजीयन किया गया है। जिसमें 10 लाख 10 हजार 862 पुरूष और 97 हजार 6 हजार 79 महिला मतदाता शामिल है। मतदान के लिए पूरे जिले में 1956 मतदान मतदान केन्द्र बनाए गए है। उनका कहना था कि चुनाव की घोषणा के साथ ही जिले में आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू हो गई है। जिसके तहत विभिन्न दलों के नारों, प्रचार, प्रसार आदि की सामग्री हटाने का काम शुरू कर दिया जाएगा। साथ ही पूर्व कालीन योजनाओं से संबंधित प्रचार संबंधी बैनर, बोर्डो एवं हार्डिग को हटाने या ढकने का काम शुरू कर दिया जाएगा। असामाजिक तत्त्वों के खिलाफ पाबंदी की कार्यवाही अमल में लायी जाएगी। उन्होंने बताया कि निजी भवनों पर नारे लगाने, बोर्ड लगाने या हार्डिग लगाने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय से स्वीकृति लेनी होगी। इसके अलावा मतदाता सूची में नाम जुड़वाने की प्रकिया जारी है। जिसके तहत नाम जुड़वाने के लिए अपने क्षेत्र के बीएलओ से संपर्क किया जा सकता है। रविवार को शहर के विभिन्न स्कूलों में इसके लिए कैम्प का अयोजन किया गया है। लोकसभा चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग ने तारीखों का एलान कर दिया है लेकिन कांग्रेस व भाजपा की ओर से अब तक अजमेर सीट से किसी भी दल ने अपने प्रत्याशी के नाम की घोषणा तक नहीं की है। खास बात है कि भाजपा व कांग्रेस अब तक प्रत्याशियों की दो सूची जारी कर चुकी है जिसमें अजमेर का नाम शामिल नहीं है। अजमेर सीट मुख्य रूप से जातिगत समीकरण के आधार पर निर्णायक साबित हुई। इस लिहाज से भाजपा प्रत्याशियों की सूची लम्बी है लेकिन यह भी माना जा रहा है कि यदि कांग्रेस ने प्रत्याशी के नाम पर जितना देरी से निर्णय करेगी नुकसान पार्टी को भुगतना पड़ सकता है।

95 लाख खर्च तक खर्च कर सकेंगे प्रत्याशी

निर्वाचन अधिकारी डा. भारती दीक्षित के अनुसार पचास हजार से अधिक की नकद राशि पाए जाने पर पूछताछ की जाएगी। इसके अलावा मतदाता को प्रलोभन देने के लिए दस हजार से अधिक के उपहार पर नजर रखी जाएगी। लोकसभा चुनाव में खडे होने वाले प्रत्याशी अधिकतम 95 लाख रूपए खर्च कर सकेंगे जिसका हिसाब जिला निर्वाचन कार्यालय को देना होगा। अजमेर लोकसभा क्षेत्र के आधीन दूदू, किशनगढ, पुष्कर, अजमेर उत्तर, अजमेर दक्षिण, समूदा, केकडी व नसीराबाद विधानसभा क्षेत्र शामिल है।

परमपूज्य संतशिरोमणि समाधिस्थ आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं
परमपूज्य निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव 108 सुधासागर जी महाराज की प्रेरणा से संस्थापित

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर

के अन्तर्गत संचालित

सन्त शिरोमणी आचार्य
108 श्री विद्यासागर जी महाराज

निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव
108 श्री सुधासागर जी महाराज

सन्त श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय

जैन नसियां परिसर, वीरोदय नगर, सांगानेर, जयपुर (राज.) 302029

प्रवेश सूचना

हर्ष का विषय है कि परम पूज्य समाधिस्थ आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के शुभाशीष एवं श्रमण संस्कृति के श्रेष्ठ संरक्षक पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के सदुपदेश एवं सत्प्रेरणा से संपूर्ण घर परिवार को संस्कारित करने के उद्देश्य से समाज की बालिकाओं को सच्चरित्र एवं सद्विद्या से सम्पन्न बनाने हेतु उक्त महाविद्यालय का नवीन सत्र 01 जुलाई 2024 से शुभारम्भ हो रहा है।

अतः प्रवेश इच्छुक छात्राएँ निम्न चतुर्दिवसीय शिविर में उपस्थित हों।

- श्री दिगम्बर जैन नसियां मन्दिर में देवाधिदेव भगवान संभवनाथ प्रभु की छत्रछाया में पूर्ण सुविधा सम्पन्न भवन में छात्राओं के आवास, भोजन, शिक्षण आदि की समस्त सुविधाएँ निःशुल्क उपलब्ध हैं।
- केन्द्रीय सं.विश्वविद्यालय, नई दिल्ली एवं राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर से सरकारी सेवा हेतु सर्वत्र मान्य उपाधि-प्रमाण - पत्र।
- साहित्य, व्याकरण, जैनदर्शन, प्राकृत, ज्योतिष, वास्तु-विज्ञान, कम्प्यूटर, अंग्रेजी आदि विषयों के साथ प्रवचन आदि के प्रायोगिक प्रशिक्षण का सुप्रबन्ध।
- प्रशिक्षण युक्त सघन शिक्षा द्वारा आर्षमार्गी आगमनिष्ठ विद्वत्ता प्राप्ति का अपूर्व अवसर, प्रतिभा उजागर हेतु पाक कला, सिलाई, चित्रकला, नृत्य-संगीत आदि अनेक पाठ्य सहगामी प्रवृत्तियाँ।

10वीं कक्षा उत्तीर्ण प्रवेश इच्छुक छात्राएँ किसी एक चयन शिविर में भाग लें।

दिनांक : 03 से 06 मई 2024
श्री दि. जैन अतिशय क्षेत्र गोलाकोट जी
खनियाधाना जिला - शिवपुरी (मध्यप्रदेश)
श्री राजीव जैन, मंत्री — 91310 94333
श्री सिद्धार्थ जैन, लेखाकार — 62638 03101
श्रीमती ज्ञानूमती जैन — 88905 89298
श्रीमती अंतिमा जैन — 89520 12323

दिनांक : 21 मई से 24 मई 2024
श्री निर्मल तीर्थ सार्व. न्यास
श्री शांतिनाथ दिगम्बर जिनमंदिर, धामणी जूणी
सांगली (महाराष्ट्र)
सन्मति उगरे — 98608 33352
अर्चना हुपरी — 95525 73949
सुरेखा पाटिल धामणी — 99701 31098
स्वरूपा पाटिल यड़ावकर — 98228 37555

दिनांक : 20 जून से 23 जून 2024
सन्त श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय
जैन नसियां परिसर, वीरोदय नगर,
सांगानेर, जयपुर (राजस्थान)
श्रीमती ज्ञानूमती जैन — 88905 89298
श्रीमती अंतिमा जैन — 89520 12323

सन्त श्री सुधासागर
आवासीय कन्या महाविद्यालय
अधिष्ठात्री
श्रीमती शीला जैन (डोड्या)
93141 73436
निर्देशिका
डॉ. वंदना जैन
93514 25177

पर्वराज दशलक्षण 08 सितम्बर से 17 सितम्बर 2024 से प्रारंभ हो रहे है। पर्व में विधि-विधान एवं प्रवचनादि कार्यों तथा शिक्षण शिविरों में अध्यापन हेतु आर्षमार्गीय निर्ग्रन्थ परम्परा पोषक विद्वान एवं विदुषियाँ आमंत्रित करने हेतु कृपया प्रदत्त नंबर पर संपर्क करें।
श्रीमती ज्ञानूमती जैन -88905 89298 श्रीमती अंतिमा जैन - 89520 12323

शिविर में प्रवेश इच्छुक छात्राएँ अपने साथ पूर्वोत्तीर्ण अंक सूची, तथा अन्य प्रमाण पत्र व सफेद सलवार-कुर्ता एवं लाल चुन्नी लेकर शिविर प्रारम्भ तिथि से एक दिन पूर्व सायं तक अवश्य उपस्थित हों।

शिविर में पूर्व परीक्षा एवं प्राप्त अंक, योग्यता, अभिरुचि एवं साक्षात्कार के आधार पर विदुषी बनने योग्य छात्राओं का चयन किया जायेगा।

शिरोमणि संरक्षक / परामर्शक — जैन गौरव अशोक पाटनी, मदनगंज-किशनगढ़
शिरोमणि संरक्षक/सह- परामर्शक — तरुण काला, मुंबई
अधिष्ठाता — डॉ. जयकुमार जैन, मुजफ्फर नगर
निदेशक — डॉ. शीतलचन्द जैन, जयपुर
अध्यक्ष — शांति कुमार जैन (IPS. RETD.), दिल्ली
कार्याध्यक्ष — प्रमोद जैन 'पहाड़िया', जयपुर
मानद् मंत्री — सुरेश कुमार जैन, सांगानेर
कोषाध्यक्ष — ऋषभ कुमार जैन, जयपुर

परामर्शक — श्रीमती सुशीला पाटनी
परामर्शक — श्रीमती शान्ता पाटनी
अधिष्ठात्री — श्रीमती शीला जैन (डोड्या)
निर्देशिका — डॉ. वंदना जैन
गौरव अध्यक्षा — श्रीमती तारिका पाटनी
अध्यक्षा — श्रीमती रेणु राणा
उपाध्यक्षा — श्रीमती नीना पहाड़िया
उपाध्यक्षा — श्रीमती रजनी काला
समन्वयक — प्रा. अरुण कुमार जैन

निवेदक : समस्त प्रबन्धकारिणी समिति श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान एवं सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय, सांगानेर, जयपुर

जनकपुरी में 1008 चन्द्र प्रभु भगवान का मनाया मोक्ष कल्याणक

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मन्दिर में शनिवार को भगवान के श्री चरणों में अपने समस्त दुखों की निर्वृत्ति हेतु अर्थात निर्वाण की भावना के साथ आठवें तीर्थंकर भगवान चन्द्र प्रभु के मोक्ष कल्याण पर निर्वाण लाडू समर्पित किया गया। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया की श्री चंद्रप्रभु जी का जन्म चन्द्रपुरी में इक्ष्वाकु कुल में हुआ था। इनके पिता का नाम महासेन तथा माता का नाम लक्ष्मणा था। प्रभु की देह का रंग दूध की भांती धवल था, इनका प्रतीक चिह्न चन्द्रमां है। इनका निर्वाण ललित कूट शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखर से हुआ था। प्रातः अभिषेक शान्तिधारा व पूजन के बाद निर्वाण काण्ड वाचन कर भगवान के निर्वाण कल्याणक को लाडू पहले बेदी में तथा इसके बाद शिखर पर खड़गाशन प्रतिमा पर सोभाग मल अजमेरा आदि ने समर्पित किया तथा सामूहिक रूप से धर्म प्रभावना के साथ निर्वाणोत्सव मनाया गया जिसमे समाज के गणमान्य व्यक्तियों की सहभागिता रही।

दुर्गापुरा में भगवान चन्द्रप्रभ जी के मोक्ष कल्याणक दिवस मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। दुर्गापुरा में भगवान चन्द्रप्रभ जी के मोक्ष कल्याणक दिवस पर भक्ति भाव से सामूहिक निर्वाण लाडू चढ़ाया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी ट्रस्ट दुर्गापुरा जयपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में दुर्गापुरा जैन मंदिर में फाल्गुन शुक्ला सप्तमी शनिवार 16 मार्च को प्रातः काल भगवान चन्द्रप्रभ जी के मोक्ष कल्याणक दिवस पर अभिषेक शांतिधारा के पश्चात भगवान चन्द्रप्रभ जी की पूजा भक्ति भाव से पंडित दीपक शास्त्री एवं महावीर प्रसाद जैन बाकलीवाल ने कराते हुए निर्वाण काण्ड भाषा के सामूहिक वाचन के बाद सामूहिक निर्वाण लाडू चढ़ाया। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला ने बताया कि अष्टम तीर्थंकर भगवान चन्द्रप्रभ जी के मोक्ष कल्याणक दिवस पर प्रथम अभिषेक शांति धारा करने का पुण्यार्जन हीरा चन्द जैन श्रीमती आशा जैन चन्द्रकला कालोनी परिवार ने प्राप्त किया।

सहस्रकूट विज्ञातीर्थ पर मनाया गया चन्द्रप्रभ भगवान का मोक्ष कल्याणक

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी (राज.) में प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में फाल्गुन शुक्ल सप्तमी के दिन श्री 1008 चन्द्रप्रभ भगवान का मोक्ष कल्याणक बड़े ही हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर प्रभुभक्त महेश मोटूका वाले निवाई , नीरज जैन जबलपुर व विरदीचंद मालपुरा वालों ने प्रभु की शांतिधारा करने व निर्वाण लाडू चढ़ाने का सौभाग्य प्राप्त किया। तत्पश्चात सभी ने पूज्य माताजी ससंघ की निर्विघ्न आहारचर्या सम्पन्न कराने का सौभाग्य प्राप्त किया। पूज्य गुरु माँ ने सभी को सत्य की राह पर चलने हेतु मंगल उद्बोधन देते हुए कहा कि - सत्य उस दौलत के समान होता है, जिसे पहले खर्च करो और बाद में उसका जीवन भर आनंद प्राप्त करो, जबकि झूठ वह कर्ज है, जिससे क्षणिक सुख तो मिलता है, लेकिन उसका कर्ज जिंदगी भर चुकाना पड़ता है। असत्य बोलने पर बोले गए झूठ को हमेशा याद रखना होता है, लेकिन सच बोलने वालों को कोई बात याद नहीं रखनी पड़ती है । जिस प्रकार उसर जमीन में बीज बोना व्यर्थ होता है, वैसे ही बगैर सत्य की पूजा, जप और तप भी व्यर्थ ही रहता है।

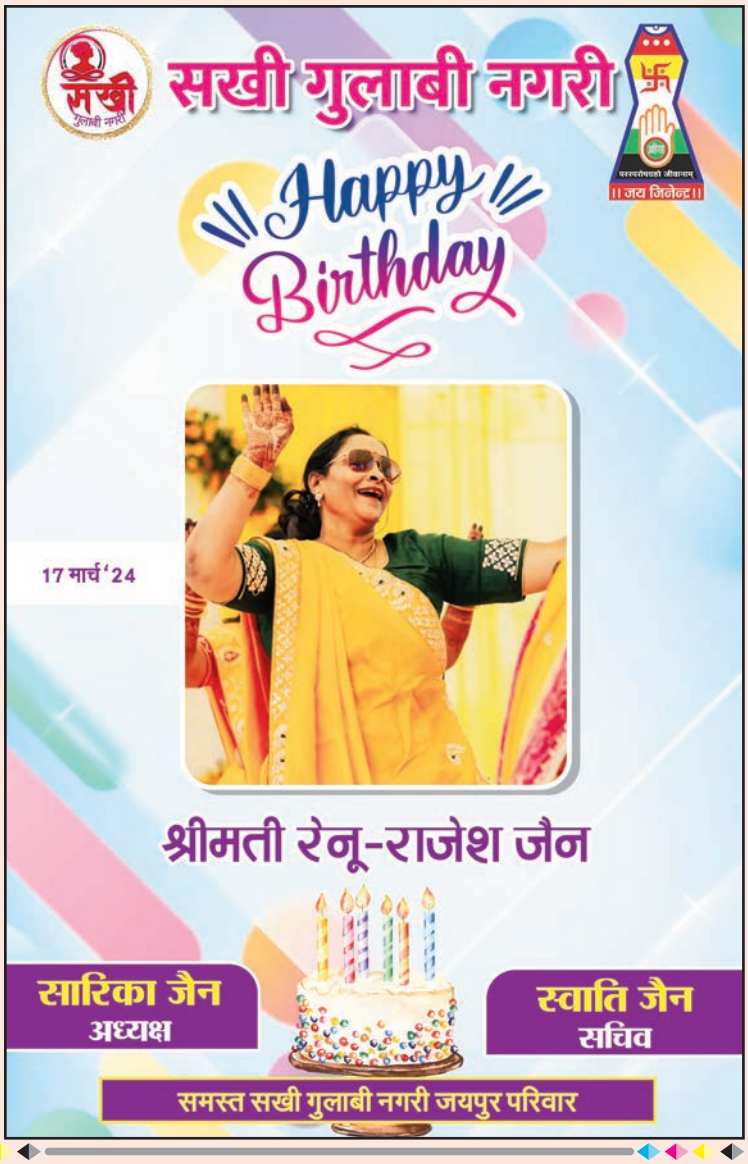

वेद ज्ञान

जो आज है कल नहीं रहेगा

इस संसार में आकर किसी भी वस्तु को अपना नहीं समझना चाहिए। ऐसा इसलिए, क्योंकि यहां की कोई भी वस्तु मानव द्वारा निर्मित नहीं है। मानव ने न चांद बनाया, न सूरज, न तारे और न ही आकाश। इसके अलावा न वायु बनाई, न अग्नि, न पृथ्वी, न नदियां, न पहाड़ बनाए और ही न समुद्र। इस जगत के चर प्राणी भी मानव ने नहीं बनाए। यहां तक कि सभी प्राणियों में सर्वश्रेष्ठ मानव भी उसके द्वारा निर्मित नहीं है। हम प्रकृति से प्राप्त संसाधनों से तमाम सामग्री लेकर अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए कुछ बनाकर सारा श्रेय लूट लेने का दंभ भरते रहते हैं। फिर उन वस्तुओं का अपना मानकर उससे लगाव लगाना सीख लेते हैं, जबकि वस्तुएं हमसे कोई लगाव नहीं रखतीं। वे तो जिसके पास होती हैं उसी की हो जाती हैं। इस संसार का रचयिता इस जगत को बनाने वाला चुपचाप अदृश्य रूप से इस जगत के कार्यों को देखता रहता है। वह सबको देखता है, सबको जानता है, लेकिन उसको कोई नहीं जान पाता। जगत का स्वामी ईश्वर सारे संसार में व्याप्त है। यही नहीं प्रत्येक शरीर के भीतर भी वही ईश्वरीय सत्ता विद्यमान रहती है। जब मानव संसार को ही ठीक-ठीक नहीं जान पाता है तो संसार की रचना करने वाले को जानना तो अत्यंत कठिन है, क्योंकि सबके अंदर वह अदृश्य रूप से सत्ता रूप में विद्यमान रहता है। इस दृश्यमान जगत को ईश्वर ने अपनी माया से रच डाला है। उसने अपनी प्रकृति में एक से एक सुंदरता बिखेर दी। ऊंचे-ऊंचे पहाड़, कल-कल करती नदियां, हवा में झूमते पेड़, खेतों में लहलहाते अनेक प्रकार के अनाज, सब्जियां व वृक्षों से लदे फल, आकाश में मंडराते काले-काले मेघ आदि को देखकर क्या हम यह जानने का प्रयत्न करते हैं कि इनका रचियता कौन है? इसके पीछे किसकी सत्ता है? इस प्राकृतिक जगत को ईश्वर ने परिवर्तनशील बनाया है। जो आज है, कल नहीं रहेगा। जो कल आएगा वह आगे नहीं रहेगा। संसार गतिमान होने के कारण प्रतिक्षण बदलता रहता है तो फिर इस बदलते हुए संसार और बदलते हुए शरीर के पीछे जिस सत्ता का हाथ है, उसकी खोज आवश्यक है।

संपादकीय

साधारण लोगों के जीवन-स्तर में सुधार की तस्वीर

किसी भी देश में आम लोगों के जीवन-स्तर में आई बेहतरी से ही यह आंका जाना चाहिए कि वहां सरकार की ओर से जनता की जीवन-स्थितियों में सुधार के किए वादे पर वास्तव में कितना काम हुआ। भारत में पिछले कई वर्षों से राजनीतिक बहसें और चुनावी मुद्दे के रूप में विकास एक बड़ा मुद्दा रहा है। आए दिन अर्थव्यवस्था से लेकर अन्य कई मोर्चों पर बेहतरी की तस्वीर पेश की जाती है, मगर सवाल है कि इस सबसे क्या सचमुच

साधारण लोगों के जीवन-स्तर में कोई सुधार हुआ है, जीने के लिए अनिवार्य सुविधाओं तक समाज के सबसे कमजोर तबके की पहुंच सुनिश्चित हुई है? संयुक्त राष्ट्र की ओर से जारी मानव विकास रपट, 2023-24 के मुताबिक 2022 में भारत के स्थान में एक अंक का सुधार आया है और यह एक सौ तिरानबे देशों की सूची में एक सौ चौंतीसवें पायदान पर पहुंच गया है। गौरतलब है कि 2021 में भारत की स्थिति एक सौ इक्यानबे देशों के बीच एक सौ पैंतीसवें पायदान पर थी। इसे तुलनात्मक रूप से सुधार कहा जा सकता है। इसीलिए संयुक्त राष्ट्र ने भी भारत की प्रशंसा की है। हालांकि सूची में शामिल कुल देशों की संख्या के लिहाज से यह कोई बड़ा अंतर नहीं है, लेकिन बेहतरी की तस्वीर को देखते हुए भविष्य के लिए उम्मीद जरूर पैदा होती है। एक उल्लेखनीय सुधार लैंगिक असमानता सूचकांक के मामले में आई है, जिसमें 2022 में भारत एक सौ आठवें स्थान पर रहा। 2021 में भारत को इस मामले में एक सौ बाईसवें पायदान पर जगह मिली थी। हालांकि श्रमबल में भागीदारी की कसौटी पर देखें तो 76.1 फीसद पुरुषों के मुकाबले महज 28.3 फीसद महिलाओं की मौजूदगी अब भी बड़े लैंगिक अंतर को दशार्ता है। इसके अलावा, औसत के आधार आकलन में कई बार अलग-अलग सामाजिक वर्गों के बीच हाशिये के तबकों की वास्तविक स्थिति का आकलन सामने नहीं आ पाता। फिर भी मानव विकास सूचकांक के संकेतकों पर अगर जीवन प्रत्याशा, शिक्षा और प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय में बेहतरी आई है, तो यह विकास के नजरिए से सकारात्मक और आने वाले दिनों के लिए बेहतरी का सूचक है।

परिदृश्य

विपक्ष के निशाने पर सरकार

चुनाव नजदीक आने पर सरकारों की तरफ से लोकलुभावन योजनाओं-परियोजनाओं के अनावरण, वस्तुओं की कीमतों में कमी आदि की घोषणाएं करना कोई नई बात नहीं है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में दो रुपए प्रति लीटर की कटौती भी इसी रणनीति का हिस्सा कही जा सकती है। इस पर स्वाभाविक ही विपक्षी दल तंज कस रहे हैं। मगर सरकार की नजर में शायद यह सिर्फ संयोग की बात हो। पिछले दो वर्ष से पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई थीं। हालांकि इस बीच कई बार कच्चे तेल की कीमतों में उतार देखा गया, उसके मद्देनजर मांग की जाती रही कि पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतें में कटौती की जानी चाहिए। मगर तब सरकार ने तर्क दिया था कि तेल के दाम में कटौती इसलिए नहीं की जाएगी, ताकि इससे तेल कंपनियों को हुए घाटे की भरपाई हो सके। पहले के नियम के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों के आधार पर पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में बदलाव किया जाता था। मगर सरकार ने इस तर्क के साथ तेल की कीमतों का निर्धारण खुद से करना शुरू कर दिया था कि कच्चे तेल की कीमतें कम होने पर तेल कंपनियों को जो कमाई होगी, उससे उन्हें अपना तेल का भंडार बढ़ाने में मदद मिलेगी। तेल की खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी का असर महंगाई पर भी पड़ता है। इससे माल ढुलाई का खर्च बढ़ता है, कृषि कार्य में उत्पादन लागत बढ़ जाती है, जिससे बाजार में वस्तुओं की कीमतें कई बार काबू से बाहर चली जाती हैं। इसलिए महंगाई पर काबू पाने के लिए तेल की खुदरा कीमतें संतुलित करने के सुझाव दिए जाते हैं। मगर विचित्र है कि खुदरा महंगाई चिंताजनक स्तर पर पहुंच जाने के बावजूद सरकार ने तेल की कीमतों को कम करने पर विचार नहीं किया। सबसे अधिक आरोप तेल पर लगने वाले उत्पाद शुल्क को लेकर उठता रहा है। खुदरा तेल की कीमतें इसलिए

ऊंचे स्तर तक पहुंच गई हैं कि इस पर राज्य और केंद्र सरकार ऊंची दर से उत्पाद शुल्क वसूलती हैं। केंद्र सरकार एकमुश्त प्रति लीटर उत्पाद शुल्क लेती है, जिसे कम करने की मांग अनेक मौकों पर उठाई जाती रही, मगर एकाध मौकों पर उसमें कटौती की गई तो वह भी चुनाव का मौका था। मसलन, उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के वक्त केंद्र सरकार ने अपने उत्पाद शुल्क में कटौती की थी। जब केंद्रीय उत्पाद शुल्क में बढ़ोतरी की गई थी, तब भी यही तर्क दिया गया कि उस शुल्क का उपयोग तेल भंडारण बढ़ाने में किया जाएगा, ताकि आपात स्थिति में तेल की कीमतों पर काबू पाया जा सके। मगर वह भंडारण कितना हो पाया, इसका भी कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। डीजल और पेट्रोल आज आम उपभोक्ता के दैनिक खर्च में शुमार हो चुके हैं।

राजस्थान में बनेंगे दो जैन पैनोरमा, राज्य सरकार ने की घोषणा

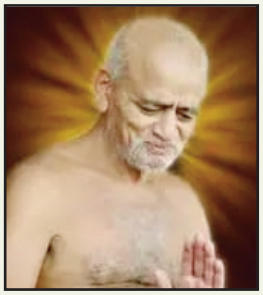

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान में राज्य सरकार ने शनिवार को दो जैन पैनोरमा बनाने की घोषणा की। जैन युवा परिषद् सीकरी के अध्यक्ष पुष्पेन्द्र जैन सीकरी ने बताया कि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भगवान महावीर स्वामी के 2550 वें निर्वाण वर्ष के उपलक्ष्य में करौली जिले के श्री महावीर जी में भगवान महावीर पैनोरमा व आचार्य श्री विद्यासागर जी मुनिराज की दीक्षास्थली अजमेर में आचार्य विद्यासागर पैनोरमा बनाने की घोषणा की है। जिससे सम्पूर्ण राजस्थान के जैन समुदाय में हर्ष का माहौल है। इससे जैन धर्म की संस्कृति व इतिहास को संरक्षण मिलेगा व साथ ही आचार्य विद्यासागर जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि प्रस्तुत होगी। पुष्पेन्द्र जैन ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र के माध्यम से धन्यवाद भी ज्ञापित किया। साथ ही भगवान महावीर स्वामी के 2550 वें निर्वाण वर्ष में राज्य सरकार द्वारा एक भव्य कार्यक्रम आयोजित करने, राजस्थान के ज्यादा से ज्यादा शहरों व कस्बों में भगवान महावीर सर्किल व पार्क आदि निर्माण कराने और जैन श्रमण संस्कृति बोर्ड के अध्यक्ष व सदस्यों के रिक्त पदों पर नियुक्ति करने की मांग की।

आमेर मे भगवान श्री चन्द्रप्रभ जी का मोक्ष कल्याणक मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर के नजदीक आमेर की सुरम्य वादियों में श्री दिगंबर जैन मंदिर नेमीनाथ(सांवला जी)आमेर परिसर में अति प्राचीन श्री दिगंबर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी स्थापित है।जिसके प्रबन्धकर्ता प्रबन्धकारिणी कमेटी दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी है। क्षेत्र के मानद मंत्री सुभाषचन्द जैन (जौहरी) ने बताया कि शनिवार दि० 16 मार्च 2024को देवाधिदेव 1008 श्री चन्द्रप्रभ भगवान का मोक्ष कल्याणक दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। इस शुभ अवसर पर मूलनायक 1008श्री चन्द्रप्रभ भगवान जी का अभिषेक, शान्तिधारा के उपरान्त पूजा अर्चना कर निर्वाण काण्ड भाषा बोल कर मोक्ष कल्याणक का अर्घ एवं निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र कमेटी के सदस्य अनिल दीवान,क्षेत्र की अन्य मन्दिरान व्यवस्था समिति के सदस्य योगेश टोडरका, प्रदीप ठोलिया, डॉ राजेन्द्र कुमार जैन,राकेश छाबड़ा सहित काफी संख्या में साधर्मी लोग उपस्थित थे।

पारस विहार जैन मंत्री मुहाना में चन्द्रप्रभु के मोक्ष कल्याणक पर्व मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन मंदिर पारस विहार, मुहाना मंडी, मोहनपुरा, मुहाना में बड़े हर्षोल्लास से भगवान चन्द्रप्रभु के मोक्ष कल्याणक पर्व पर निर्वाण लाडडू चढाया। मंदिर समिति के अध्यक्ष पवन कुमार गोदीका ने बताया कि फाल्गुन शुक्ल पक्ष (सुदी) सप्तमि शनिवार दिनांक 7.3.24 को चन्द्रप्रभ भगवान के मोक्ष कल्याणक दिवस पर प्रातः अभिषेक, शान्तिधारा के पश्चात महेन्द्र -पुनित सोगाणी, धर्मेन्द्र -देवांशु गोदीका, अशोक अजमेरा ने निर्वाण लाडू, पारस विहार एवं सकल दिंगबर जैन समाज ने सामुहिक चढा कर पुण्य का संचय किया।

संगीत संस्थान में आयोजित हुआ पूर्व छात्र- संगम 'रंगोत्सव'

जयपुर. शाबाश इंडिया

15 मार्च को IQAC राजस्थान संगीत संस्थान, जयपुर के द्वारा पूर्व छात्र संगम-रंगोत्सव काआयोजन किया गया । प्राचार्य प्रो दिलीप गोयल एवं अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलन के साथ इस कार्यक्रम की शुरूआत की। कार्यक्रम में संस्थान के कुछ भूतपूर्व विद्यार्थी (जो आज प्रख्यात कलाकार भी हैं) ने सांगीतिक प्रस्तुतियां दी तथा कुछ वरिष्ठ भूतपूर्व विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए महाविद्यालय के अपने बीते दिन याद किए। कार्यक्रम का संचालन प्रो. वसुधा सक्सेना द्वारा किया गया। कार्यक्रम में लगभग 200 से अधिक पूर्व विद्यार्थियों ने भाग लिया। साँस्कृतिक प्रस्तुतियों की कड़ी में सर्वप्रथम प्रो विजेंद्र गौतम ने भजन एवं राग पीलू में ''मत मारो पिचकारी'' होरी गायी, उसके बाद गुलजार हुसैन ने वायलिन पर याद पिया की आये ,डॉ गुंजन भार्गव एवं अर्चना सक्सेना ने नृत्य ,जहीर ने सितार, धर्मेंद्र छाबड़ा ने मेरी दोस्ती मेरा प्यार, मधु भाट ने म्हारो राजस्थान ,डॉ पूजा राठौड़, जीतेन्द्र राणा ने ठुमरी , डा गौरव जैन ने होरी , डॉ वन्दना खुराना, नवल डांगी ने गायन की सुन्दर प्रस्तुतियों के बाद संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा सामुहिक होरी नृत्य के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ ।

Shri Mahaveer College

(Affiliated to the University of Rajasthan, Jaipur)
A Co-Educational English Medium PG College
Mahaveer Marg, C-Scheme, Jaipur

ADMISSION OPEN SESSION 2024-25

BVA (Bachelor of Visual Arts)
- APPLIED ARTS
- PAINTING
- SCULPTURE

BA (Bachelor of Arts)
ECONOMICS | ENGLISH LITERATURE | GEOGRAPHY
HINDI LITERATURE | HISTORY | POLITICAL SCIENCE
PSYCHOLOGY | PUBLIC ADMINISTRATION
SOCIOLOGY | STATISTICS

B.Com (Pass) | **B.Com** (Hons.-ABST)
BCA | **BBA**
M.Com (ABST) | **M.Com** (HRM)
M.Com (EAFM)

PROUDLY ANNOUNCES
MBA & MCA Programmes*

SCHOLARSHIP CATEGORIES
- Meritorious Students
- Sports Players
- Jain Community Students
- MPS & SMDJ School Students
- Soldier's Children
- Martyr's Children
- Girl Students

Hostel facility Available for Jain Students

SKILL DEVELOPMENT COURSES
- Tally ERP
- US CMA
- Web Designing
- BSE Certification
- App Development
- Digital Marketing
- Graphic Designing
- Advance Excel Program

MAHAVEER CIVIL SERVICES ACADEMY (MCSA)
A UNIT FOR IAS/RAS/OTHER COMPETITIVE EXAMS

Why SMC ?
- Qualified and Experienced Faculty
- Latest Teaching Pedagogy
- Enriched Library
- Technology upgraded Computer Labs
- Air-conditioned Class Rooms
- CCTV Surveillance 24x7
- Audio-Visual Room
- Contemporary Auditorium
- Excellent Placement Opportunities
- Phenomenal Sports Facilities
- Modern Gymnasium
- Cafeteria with Lush Green Garden

The admission form can be obtained from the College office/download from the website
Decision of Management will be final for sanctioning the scholarship

*Subject to Affiliation from AICTE & RTU, Kota

For more details contact: 0141-2372139, 8955840261
Website: www.shrimahaveercollege.org | E-mail: shrimahaveercollege@gmail.com

सखी गुलाबी नगरी ने मनाया जश्न ए होली

जयपुर. शाबाश इंडिया। सखी गुलाबी नगरी द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी श्जश्न ए होलीश् कार्यक्रम अजमेर रोड स्थित होटल प्राइम सफारी में बड़ी धूमधाम के साथ आयोजित किया गया जिसमें सभी सदस्यों का गुलाल लगाकर स्वागत व रजिस्ट्रेशन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत णमोकार मंत्र के मंगलाचरण द्वारा की गई साथ ही संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज को 2 मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा को परम पद पाने की भावना के साथ विन्यांजलि दी गई।अध्यक्ष सारिका जैन ने बताया कि कार्यक्रम मे सदस्यों को एंकर प्रीति सक्सेना द्वारा तरह तरह के नए गेम खिलाए गए और होली के गानों पर आधारित एक अनोखी हाऊजी खिलाई गई जिसमें सभी सदस्यों ने गाना गा कर व नृत्य करके हाउजी का आनंद उठाया। संस्था की संरक्षक रितु कासलीवाल एवं कुसुम संघी ने पधारकर कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। डाबर इंडिया से आये हेल्थ टॉक शो के डॉक्टर्स का सम्मान किया गया।उनके द्वारा सभी को उपहार दिया गया।हाउजी स्पान्सर, बी आर संस ज्वेलर्स, चाकसू वालों से मीनू सोनी का स्वागत किया गया।सचिव स्वाति जैन ने बताया कि बाहर गार्डन में चंग ढप बांसुरी शहनाई की पूरी मंडली के साथ सभी सदस्यों ने फूलों की होली खेली और सभी रंगों की स्मोक गन से पूरे माहौल को सतरंगी बना दिया।सभी सदस्य होली के रंग में रंग गये। अंत में सदस्यों ने लजीज खाने का लुत्तफ उठाया।सभी सदस्यों को सखी गुलाबी नगरी द्वारा होली का आकर्षक उपहार भेट किया गया।

मानसरोवर में भगवान चंद्रप्रभु जी के मोक्ष कल्याण का निर्वाण लाडू अर्पित किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर जयपुर में श्री दिगंबर जैन समाज समिति वरुण पथ मानसरोवर द्वारा श्री श्री 1008 भगवान चंद्रप्रभु जी के मोक्ष कल्याण के पावन अवसर पर निर्माण लाडू अर्पित किया गया इस अवसर पर तीनों वेदीयो पर विराजमान भगवान के अभिषेक एवं शांतिधारा करने के पश्चात भगवान चंद्रप्रभु जी के मोक्ष कल्याण के पावन अवसर पर निर्वाणलाडू पूर्ण विधि विधान एवं मंत्रोचार से अर्पित किया गया निर्माण लाडू के पुण्यार्जक के रूप में समाज सेवी निर्मल भाभी भंवरी देवी काला, कैलाश आशा सेठी, विनेश प्रीती सोगानी, सुरेंद्र सोनल जैन, राजेन्द्र उषा झाझरी,दीपेश निधी अजमेरा, अक्षय आशा गोधा, चंदा देवी महेंद्र कासलीवाल, ने सहयोग प्रदान किया कार्यक्रम में ज्ञान बिलाला, कैलाश सेठी,विनेश सोगानी, विनोद छाबड़ा, दिपेश अजमेरा,अरूण जैन, अरविन्द गंगवाल, सन्तोष कासलीवाल, जैनेंद्र पाटनी, कमल जैन,मनीष जैन, संतोष अलका कासलीवाल सुरेन्द्र जैन, सुनील गोधा, गौरव जैन चाकसू,, भंवरी देवी काला, आशा सेठी, सुधा बिलाला,अंजू जैन,उषा झाझरी, कनकलता जैन बांदीकुई, निधि लुहाड़िया भरतपुर, निर्मला पाटनी सहित अनेकों साधर्मी बंधु उपस्थित रहे।

महिला दिवस पर महिला सम्मेलन का आयोजन

बारा. शाबाश इंडिया। महिला दिवस के अवसर पर विशाल महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। संस्था अध्यक्ष चन्द्र कला सेठी ने बताया कि जहाजपुर प्रणेता आर्यिका रत्न श्री स्वस्ति भूषण जी माताजी पावन सानिध्य में दिगम्बर जैन महासमिति एवं दिगम्बर जैन समाज के सयुक्त तत्वावधान में प्रशांत मति सभागार में एक विशाल महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ललिता टोंग्या ने कहा कि हमने गुरु माँ से महिला दिवस के लिए 15 मिनिट मांगे थे। उन्होंने हम महिलाओ को 1 पूरा दिन दे दिया,ये उनकी उदारता का ही परिचायक है। समाज की सभी संस्थाओं ने इसमें बढ़ चढ़कर प्रस्तुतियां दी। सचिव सरला जैन ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ जिनेन्द्र देव के समक्ष दीप प्रज्जवलन व चित्र अनावरण सभी 10 संस्थाओं के अध्यक्षों द्वारा किया गया। मंगलाचरण समाज की ही उभरती प्रतिभा प्रियांशी जैन ने नृत्य प्रस्तुति के द्वारा किया गया। स्वागतगान महासमिति महिला सम्भाग बारां की सदस्यों की सदस्यो द्वारा किया गया। माता जी द्वारा गठित शुभकामना परिवार द्वारा स्वस्ति धाम गीत गाथा का शानदार 45 मिनिट का प्रस्तुति करण किया गया। दिव्य घोष, संगम महिला मंच,पुलक जागृति मंच,पार्श्व महिला मंडल ,आपणो महिला मंडल ने नारी के विभिन्न पहलुओं को दशार्या कार्यक्रम का सफल संचालन उपाध्यक्ष ललिता टोंग्या द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता शेम्फोर्ड स्कूल की डायरेक्टर हर्षिता सेठी रही ,उन्होंने प्राचीन समय की नारी व आधुनिक नारी को तुलनात्मक ढंग से अपने वक्तव्य में बखूबी दर्शाया। रचना टोंग्या, विमला जैन ने अपने विचार रखे। शकुंतला गोधा नेविचार रखे। समिति की पूर्व अध्यक्ष संतोष कासलीवाल मैना बड़जात्या, चन्द्रकला पाटनी, सरिता बड़जात्या,शकुंतला सोनी,कुसुम बज, रानी नोपडा, सोनिया चाँदवाड़,विद्या गोधा आदि ने सभी संस्थाओं के पदाधिकारियों ने गरिमा मयी उपस्थिति से कार्यक्रम को उचाइयां प्रदान की।

इंजीनियर्स कॉलोनी में शांतिनाथ मंदिर में भगवान चन्द्रप्रभु का मोक्ष कल्याण पर्व मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिनांक 16.03.2024 को इंजीनियर्स कॉलोनी में शांतिनाथ मंदिर में भगवान चन्द्रप्रभु का मोक्ष कल्याण पर्व मनाया गया। भगवान के समक्ष लड्डु अर्पित किया गया और संपूर्ण विश्व में सुख समृद्धि की मंगल भावना भाई गई। कार्यक्रम में कमल चंद छाबड़ा, महावीर प्रसाद जैन, प्रकाश चंद सेठी, अनिल बोहरा, गिरीश जैन, मनीष जैन, सतीश जैन, श्रीमति आशा जैन, तारा जैन, मीना जैन, इंद्राणी जैन और अन्य समाजगण उपस्थित रहे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

भगवान ऋषभदेव जन्म भूमि अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ का आज जयपुर की एसएफएस कॉलोनी में हुआ भव्य स्वागत

निकली भव्य रथ यात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया

एसएफएस दिगंबर जैन मंदिर में आज प्रातः 6:00 बजे अयोध्या से आए रथ की बड़ी धूमधाम से अगवानी की जिसमें अपार जन समूह ने सम्मिलित होकर धर्म सभा मुख्य अतिथि अनिल अनीता जैन कासलीवाल ने दीप प्रजनन कर कार्यक्रम प्रारंभ करवाया। समिति के अध्यक्ष डॉक्टर राजेश काला, मंत्री रवि बाकलीवाल, कोषाध्यक्ष सुशील पहाड़िया, महिला मंडल अध्यक्ष उर्मिला पाटनी ने रथ संचालक प्रतिष्ठाचार्य पंडित अकलंक जैन शास्त्री पारस चैनल से पवन कुमार , अनूप, निलेश, पारस जैन रथ प्रवर्तन संयोजक राजस्थान प्रदेश के उदयभान जैन, दिलीप जैन परिषद के प्रदेश महामंत्री विमल बज राजस्थान जैन सभा से विनोद जैन कोटखावदा अखिल भारतीय दिगंबर परिषद मानसरोवर संभाग के सरक्षक सतीश कासलीवाल अध्यक्ष अशोक विन्दयका, मंत्री पारस जैन बोहरा, मीना कुमारी जैन ट्रस्ट के ज्ञानचंद जैन, महिला जागृति संघ जोहरी बाजार से साधना काला एवं आए हुए सभी अतिथियों का तिलक और माला से स्वागत किया गया। मंत्री सौभाग मल जैन ने बताया कि संपूर्ण दिगंबर जैन समाज को शाश्वत तीर्थ अयोध्या के लिए जागरूक करने के लिए वर्तमान में अयोध्या तीर्थ का विकास पूज्य गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी के आशीर्वाद से जो रथ चल रहा है जिसमें संपूर्ण दिगंबर जैन समाज से तन मन धन से सहयोग की अपेक्षा रखी गई है । जिस रथ का आज एसएफएस राजावत फार्म मानसरोवर में प्रवेश हुआ रथ को नगर में ब्रह्मण की प्रभावना बढ़ाने हेतु सोधर्म इंद्र श्रीमती त्रिशला बडजात्या सौभाग मल अंजना देवी जैन, कुबेर इंद्र श्रीमती शांति देवी सुमति प्रकाश मंजू काला रथ में विराजमान श्रीजी की आरती का महावीर प्रसाद, अदिति जैन एवं पालना झूलाने का सौभाग्य महिला मंडल को प्राप्त हुआ। धर्म सभा के बाद बैंड बाजे और नाचते गाते हुए अपार्जन समूह के सहयोग से पुरी कॉलोनी में धर्म प्रभावना रथ को घुमाया गया।

विशाल श्याम फाग उत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया

पंडित दीनदयाल अंतोदय-योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत शहरी आजीविका केंद्र संस्थान नगर निगम ग्रेटर जयपुर के द्वारा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा विशाल श्याम फाग उत्सव एवं स्वावलंबी कार्ड वितरण दिनांक 16 मार्च 2024 को सामुदायिक भवन महेश नगर में आयोजित किया गया। सचिव संजीव वर्मा जी ने बताया की कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एल एल पहाड़िया परियोजना निदेशक महोदय सवायता शासन विभाग राजस्थान जयपुर रहे ।पहाड़िया ने अपने कर कमलों से सभी महिलाओं को स्वावलंबी कार्ड वितरण किये। भूमिका फाऊंडेशन की अध्यक्षा श्रीमती रजनी मोरवाल ने बताया कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने भजन गाये, नृत्य किया एवं फूलों की होली खेली। वाणी स्वयं सहायता समूह की अध्यक्षा श्रीमती संतोष जैन ने बताया कि फागोत्सव में 50 समूहों से लगभग 400 महिलाओं ने बढ-चढ़कर भाग लिया एवं मंच संचालन परमधाम स्वयं सहायता समूह की अध्यक्षा मेनका शर्मा जी ने किया।

संगिनी जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ का गेट टू गेदर संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। संगिनी जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ का गेट टू गेदर दिनांक 15 मार्च 2023 को ब्लू प्लूटो ईपी जवाहर सर्किल पर संपन्न हुआ। अध्यक्ष किरण झंझरी एवं सचिव विजया काला ने बताया कि 60 संगिनी सदस्यों ने विभिन्न रोचक एवं अनोखी प्रस्तुति दी एवं फूलों की होली खेली। राधा कृष्ण की जोड़ी में रुचिका एवं मेघा ने प्रस्तुति दी। कार्यक्रम संयोजक पल्लवी जैन द्वारा आकर्षक हाउजी खिलाई एवं पारितोषिक भी प्रदान किए। कार्यक्रम में अंजना गंगवाल उपाध्यक्ष, नूपुर जैन संयुक्त मंत्री संगीता जैन कोषाध्यक्ष एवम अन्य सदस्य गण उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल एवम रोचक बनाने में सभी सदस्यों ने सहयोग दिया।

अष्टानिका पर्व में सिद्धचक्र विधान मण्डल की पूजा की जाती है...

नंदीश्वर द्वीप के अकृत्रिम जिन मंदिरों की पूजा का भी पर्व है

शाबाश इंडिया

आज दिनांक 17/03/24 से 25/03/24 तक जैन मंदिरों में अष्टानिका महापर्व का आयोजन। जैन धर्म का अष्टांहिका पर्व अर्थात 8 दिन तक मनाए जाने वाला पर्व है, नवें दिन हवन करने के साथ इस पर्व का समापन होता है। यह वर्ष में तीन बार कार्तिक, फाल्गुन एवं आषाढ़ माह में शुक्ल पक्ष की अष्टमी से पूर्णिमा तक आठ दिन के लिए मनाया जाता है।

क्यों मनाया जाता है?

सौधर्म इंद्र अपने इंद्र परिवार के साथ नंदीश्वर द्वीप जो आठवां द्वीप है, जिसमे अनादि, अनंतकालीन 52 अकृत्रिम, जो की शाश्वत है एवं किसी के द्वारा निर्मित नहीं है, जिन चैत्यालय है, में पूजन करके हर्षित होते है। इसी क्रम का अनुसरण करने की भावनानुरुप हम स्वयं में इंद्र की स्थापना करते हुए स्वयं को इंद्र मानकर, देवलोक जैसी शक्ति का आभास कर जिन मंदिरों में पूजा करते है।

किसकी आराधना की जाती है?

इस दौरान सिद्धों की आराधना करते हुए आठ दिनों का सिद्ध चक्र विधान मंडल का आयोजन करते है। विधान में सिद्ध भगवान का विस्तृत गुणानुवाद किया गया है जो संसार के बंधनों से छूट गए है। जिनमे अनंत दर्शन अनंत ज्ञान अनंत सुख और अनंत वीर्य प्रकट हो गए है; जो द्रव्यकर्म, भावकर्म और नोकर्म से सर्वथा रहित हो गए है, उन्हे सिद्ध कहते है। ये लोक के अग्रभाग में विराजमान है। सिद्धों का समूह ही सिद्धचक्र कहलाता है। सिद्धचक्र विधान में सिद्ध दशा प्रगट करने का विधान (उपाय) बतलाते हुए सिद्धों का गुणानुवाद किया गया है। सिद्ध चक्र विधान मंडल में प्रथम दिन 8, दूसरे दिन 16, तीसरे दिन 32, चौथे दिन 64, पंचम दिवस 128, छठे दिन

256, सातवे दिन 512 एवं आठवें दिन 1024 अष्ट द्रव्य के अर्ध समर्पित किए जाते है । इस तरह पर्व के इन दिनों में नंदीश्वर द्वीप की भी पूजा कर सकते है । अष्टान्हिका पर्व में सिद्धचक्र महामंडल विधान के आयोजन की शुरूआत मैना सुंदरी द्वारा अपने पति श्रीपाल के कुष्ठरोग निवारण हेतु जानी जाती है।

सिद्धचक्र विधान मण्डल की महिमा

चम्पापुर के राजा अरिदमन और रानी कुन्दप्रभा के तेजस्वी पुत्र रत्न हुआ। उस बालक का नाम श्रीपाल रखा गया । कालांतर में श्रीपाल की प्रतिभा को देखकर राज्य संचालन का दायित्व सौंप दिया गया । राजकार्य में दत्तचित, कामदेव के समान श्रीपाल को एवं अन्य 700 वीरों को अचानक एक साथ महाभयानक कुष्ठ रोग हो गया, अंधेरा जिससे इन लोगों का शरीर गलने लगा एवं खून बहने लगा। इन सभी की दशा देखकर प्रजा जन अत्यन्त क्षुब्ध एवं दुःखी रहते थे। जब रोग की दुर्गन्ध के कारण वातावरण बिगड़ने लगा, तब चाचा वीरदमन के कहने पर श्रीपाल 700 वीरों के साथ नगर से बहुत दूर उद्यान में जाकर निवास करने लगे। उधर उज्जयनी नगरी के राजा पुहुपाल एवं रानी पद्मरानी के गर्भ से सुरसुन्दरी एवं मैनासुन्दरी नाम की दो पुत्रियों ने जन्म लिया ।उनमें से सुरसुन्दरी शैव गुरु से एवं मैनासुन्दरी ने आर्यिका से धार्मिक अध्ययन किया था। पिता के पूछने पर सुरसुन्दरी ने अपनी स्वेच्छानुसार हरिवाहन से विवाह स्वीकार कर लिया, परन्तु मैनासुन्दरी ने कहा है कि कुलीन एवं शीलवती कन्यायें अपने मुख से किसी अभीष्ट वर की याचना कदापि नहीं करती है। मैनासुन्दरी की विद्वतापूर्ण वार्ता को सुनकर राजा पुहुपाल तिलमिला गये, अपना अपमान समझा और उन्होंने क्रोध में आकर कोढ़ी राजा श्रीपाल से विवाह कर दिया। राजा श्रीपाल के कुष्ठ रोग को दूर करने के लिये मैनासुन्दरी ने गुरु के आशीर्वाद एवं विधि के अनुसार अष्टांहिका पर्व में सिद्धचक्र महामण्डल विधान का आयोजन किया एवं अभिषेक के गंधोदक का सभी रोगियों के ऊपर छिड़काव किया, जिसके प्रभाव से श्रीपाल के साथ 700 वीरों का भी कुष्ठरोग ठीक हो गया था। कुछ समय बाद श्री पाल मैना सुन्दरी के साथ चम्पापुरी वापस आ गये। एक दिन श्रीपाल अपने महल के छत पर बैठे हुये थे। आकाश में बिजली चमकी, जिसे देखकर उन्हें वैराग्य हो गया। वे अपने पुत्र धनपाल को राज्य सौंपकर वन की ओर चले गये। उनके साथ 8000 रानियाँ तथा माता कुन्दप्रभा भी वन को प्रस्थान कर गई। श्रीपाल ने मुनीश्वर के पास जाकर जिनदीक्षा धारण कर ली। उनके साथ 700 वीरों ने भी दीक्षा ले ली, माता कुन्दप्रभा व अन्य रानियों ने भी आर्यिका के व्रत ग्रहण किये। श्रीपाल कठोर तपस्या करते हुए अल्पसमय में ही घातिया कर्मों को नष्ट कर केवलज्ञान प्राप्त किया और फिर शेष अघातिया कर्मों का भी क्षय कर मोक्षधाम को प्राप्त हुये एवं मैना सुंदरी ने भी अगले भव में शिवधाम में वास किया । अष्टांहिका पर्व में श्री जी के अभिषेक गंदोदक की विशेष महिमा होती है, किसी भी रोगी व्यक्ति के शरीर पर इसका छिड़काव करने से रोग, शोक का निवारण होता है ।

संकलनः
भागचंद जैन मित्रपुरा
अध्यक्ष अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर ।

श्री चंद्रप्रभ भगवान का मोक्ष कल्याण महोत्सव मनाया

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। बापू नगर स्थित श्रीपदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में श्रीचंद्रप्रभ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव उत्साह पूर्वक मनाया गया। प्रातः श्रावकों ने श्री शांतिनाथ भगवान एवं श्री पार्श्वनाथ भगवान पर अभिषेक करने के उपरांत चांदमल जैन, पूनम चंद सेठी एवं ओमप्रकाश अग्रवाल परिवार ने शांतिधारा की। तत्पश्चात निर्वाण कांड पाठ के द्वारा श्रीचंद्रप्रभ भगवान का मोक्ष निर्वाण लाडू सामूहिक रूप से चढ़ाया। जयकारों से जयघोष किया। महिला- पुरुष बधाई गीत के साथ नृत्य कर वातावरण को धर्म में कर दिया। इस उपरांत श्री चंद्रप्रभ भगवान की पूजा अर्चना कर अर्ग समर्पण किये।

आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज का ससंघ मंगल विहार

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्री महावीर जी। 16 मार्च स्थानीय श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में परमपूज्य चतुर्थपट्टाधीश प्राकृताचार्य श्री 108 सुनील सागर जी महाराज व आचार्य श्री 108 अनेकांत सागर जी महाराज के मंगल सानिध्य मे महावीर प्रभु की भक्ति आराधना व साधना भक्तिपूर्व संपन्न की। आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज ने ससंघ प्रातः 7.30 बजे श्री महावीर जी से जयपुर के लिए मंगल विहार किया। मंगल विहार से पूर्व आचार्य श्री अनेकांत सागर जी महाराज ने अपने मंगल प्रवचन मे कहा कि जैसे शिशु अपनी मां से दूध नही मांगता, वात्सल्य से मा ने अपने आप शिशु को दूध पिलाती है। मां को पता रहता है कि कब शिशु को दूध पिलाना है वैसे गुरु पता रहता है कि कब शिष्य को डाटना है कब उसे अपने से दूर करना है गुरु दूरदर्शी होते हैं उन्हें सब ज्ञात होता है तप त्याग साधना से जो अपने को संस्कारित करते हैं देवता भी उसके चरणों में मस्तक झूकाते है। भगवान महावीर स्वामी की आराधना करने से देवता भी हमारे चरणो मे सिर झुकाते है। जैसे जल से अग्नि शांत हो जाती है वैसे आपके नाम मात्र स्मरण करने से हमारे कषाय की अग्नि शांत हो जाती है। जिनकी स्मरण करने से जीवन में शांति आती है संसार में जीव निरंतर आकुलित रहता है क्या आकुलित रहने से कुछ मिलता है फिर क्यों आकुलित रहना। महावीर स्वामी ने कहा है कि परस्परोग्रह जीवानम् । एक दूसरे का परस्पर में सहयोग करना।